दालों के देश में...

क्योंकि दाल भारत के लोगों की जरूरत है...

- दुनिया में भारत सबसे बड़ा दाल उत्पादक : 25 फीसदी (औसतन 230 लाख टन या 23 मिलियन)
- दुनिया में सर्वाधिक आयात : 50-60 लाख टन
- दुनिया में सर्वाधिक उपभोग : 27 फीसदी

दलहन उत्पादन में भारत का स्थान पहला
स्रोत- एफएओ, 2016

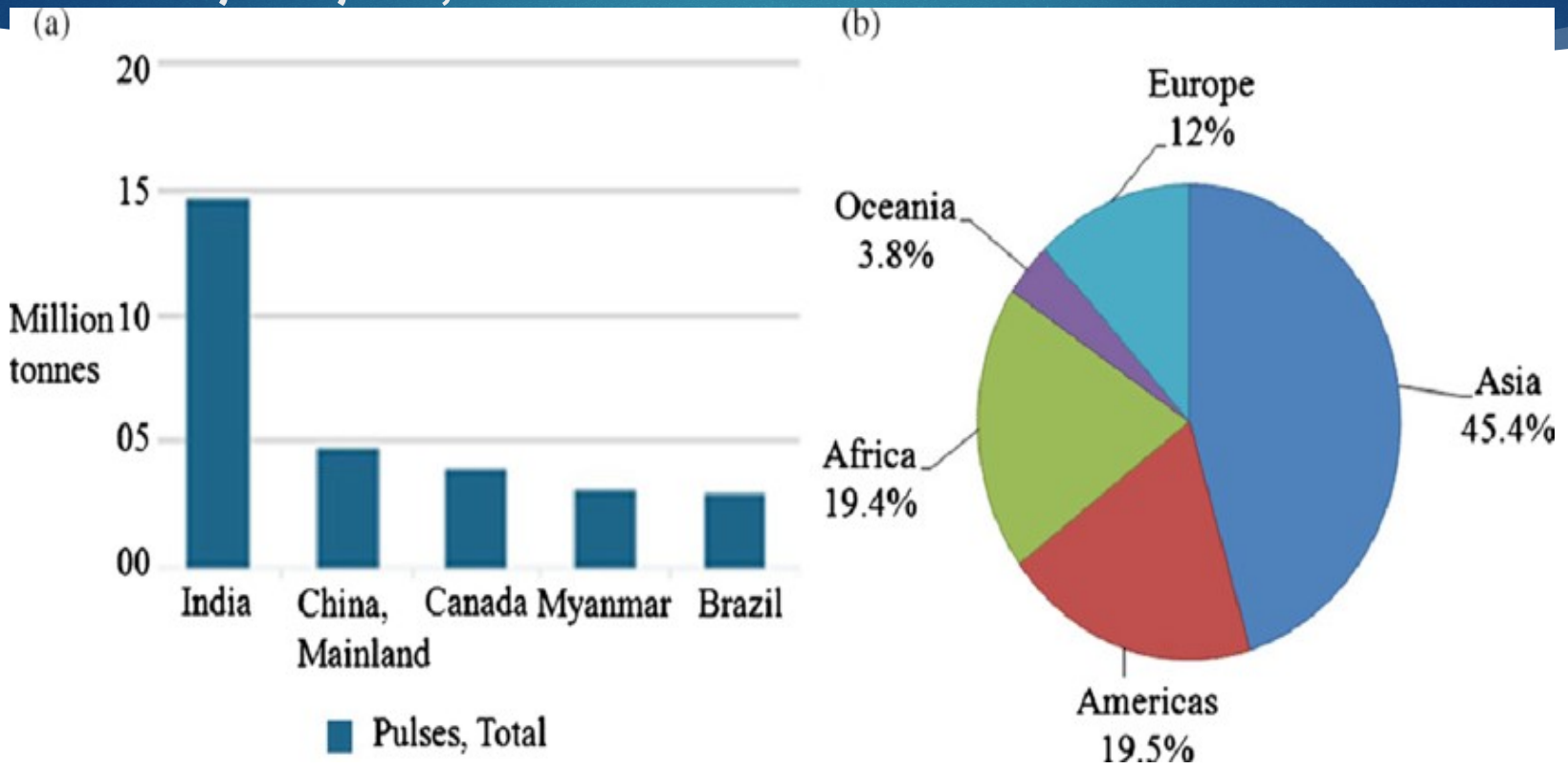

भारत के प्रमुख दाल उत्पादक राज्य

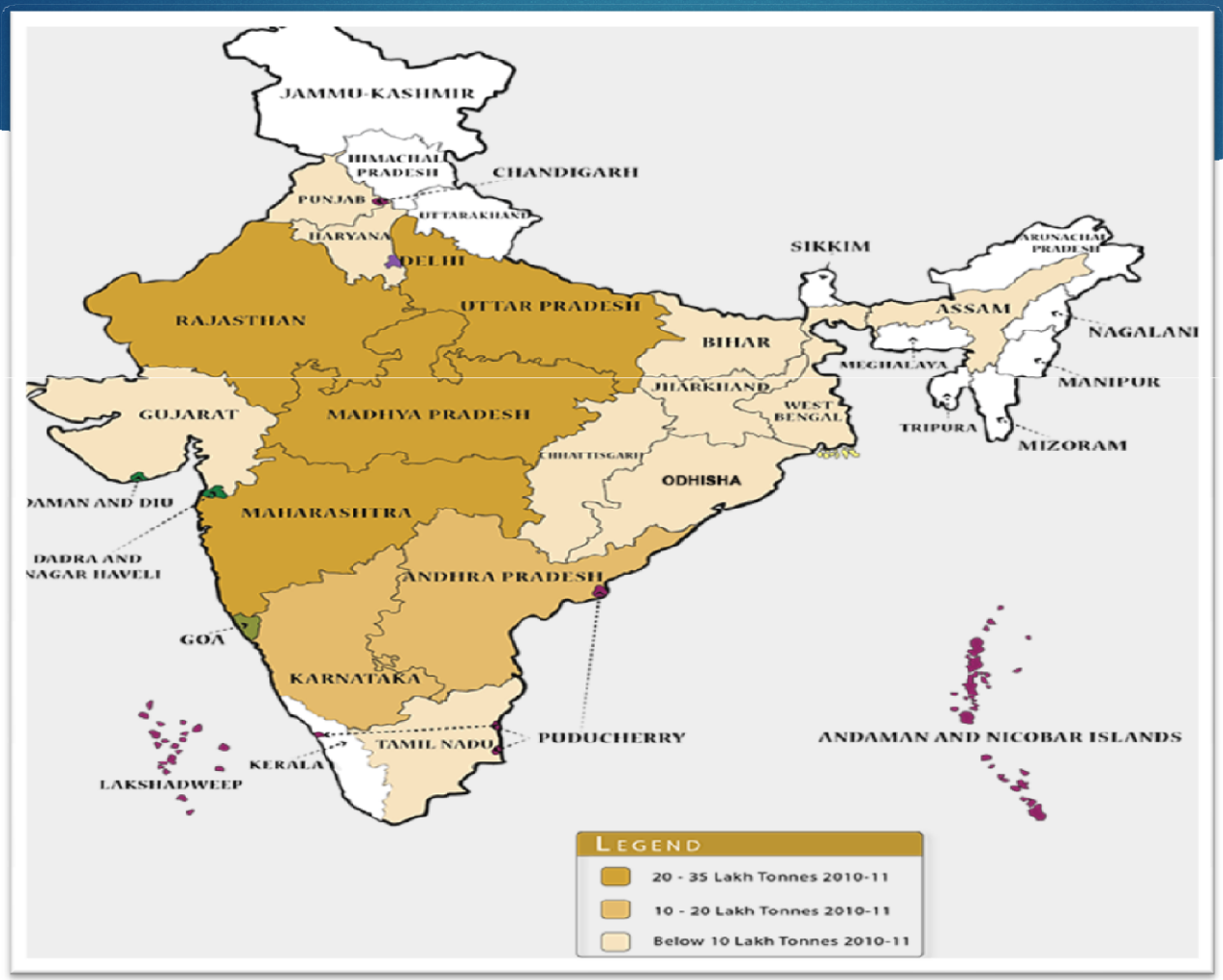

दलहन उत्पादन में राज्यों की भागीदारी

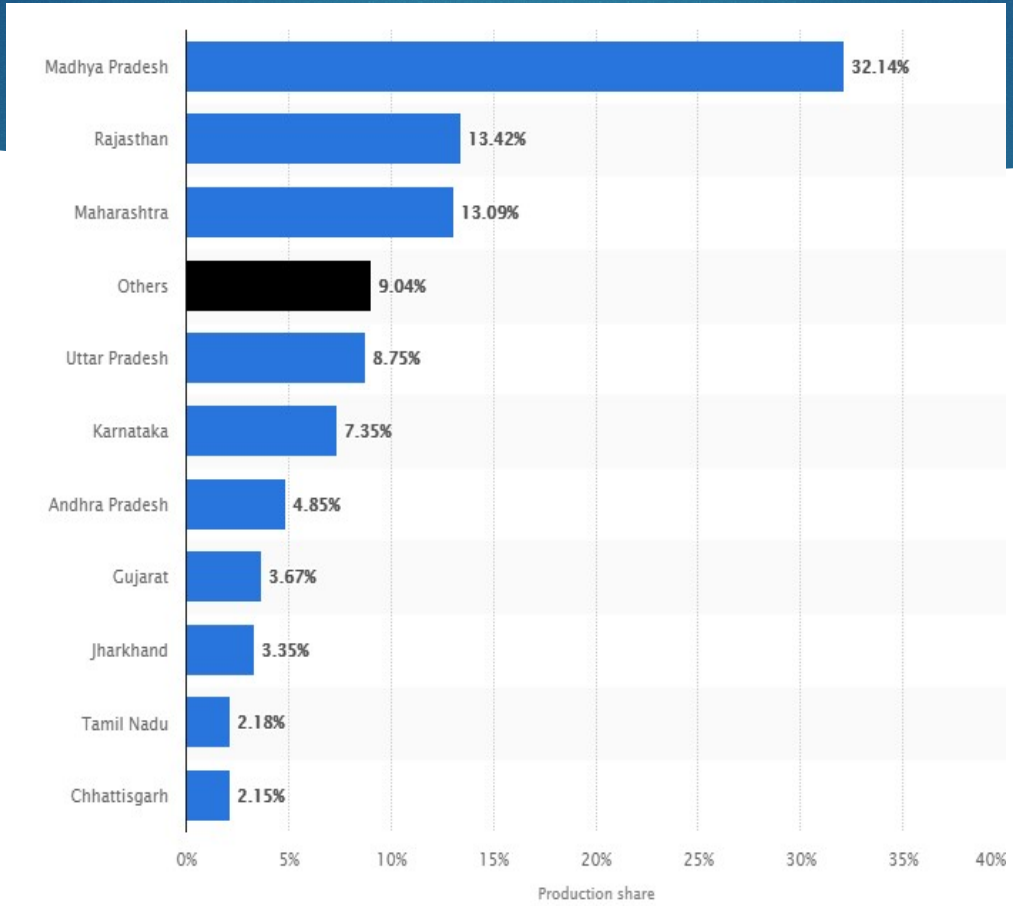

कुछ खास दालें

स्रोत – इंडियन पल्सेस थ्र मिलेलिया : वाई एल नेने

Desi chana (*Cicer arietinum*, chickpea)

Kabuli chana (*Cicer arietinum*, chickpea)

Masur (*Lens culinaris*, lentil)

West Asian lentil (*Lens culinaris, masur*)

Tur (*Cajanus cajan*, pigeonpea, *arhar*)

Urd (*Vigna mungo*, black gram)

Mung (*Vigna radiata*, green gram)

Sem (*Lablab purpureus*, lablab bean, *vaal*)

Moth (*Vigna aconitifolia*, moth bean)

Kulthi (*Dolichos uniflorus*, horse gram)

Matar (*Pisum sativum*, pea)

Khesari (*Lathyrus sativus*, grass pea)

Lobhia (*Vigna unguiculata*, cowpea, *chowli*)

Bagla (*Vicia faba*, faba bean) grows wild in Pantnagar area

Figure 1. Various pulses grown and consumed in India (above and facing page).

जब दालों के लिए आयात निर्भर हुआ भारत

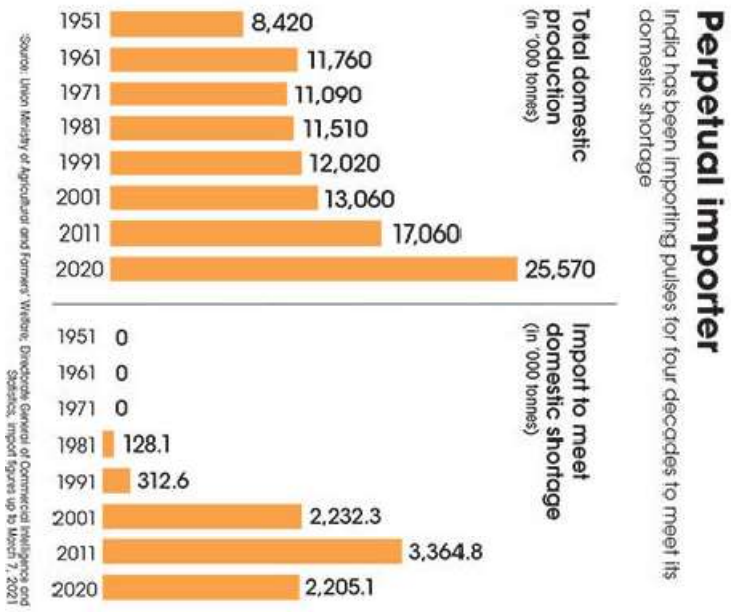

- 1981 से 2020 के बीच दाल उत्पादन 122 फीसदी बढ़ा
- 1981 से 2020 में दालों के आयात में 1622 फीसदी की बढ़त हुई

दालों की उपेक्षा

रकबा, उत्पादन और पैदावार में अपर्याप्त बढ़त

1951 से लेकर 2018–19 तक दालों का रकबा 19 मिलियन हेक्टेयर से 29 मिलियन हेक्टेयर ही हुआ है

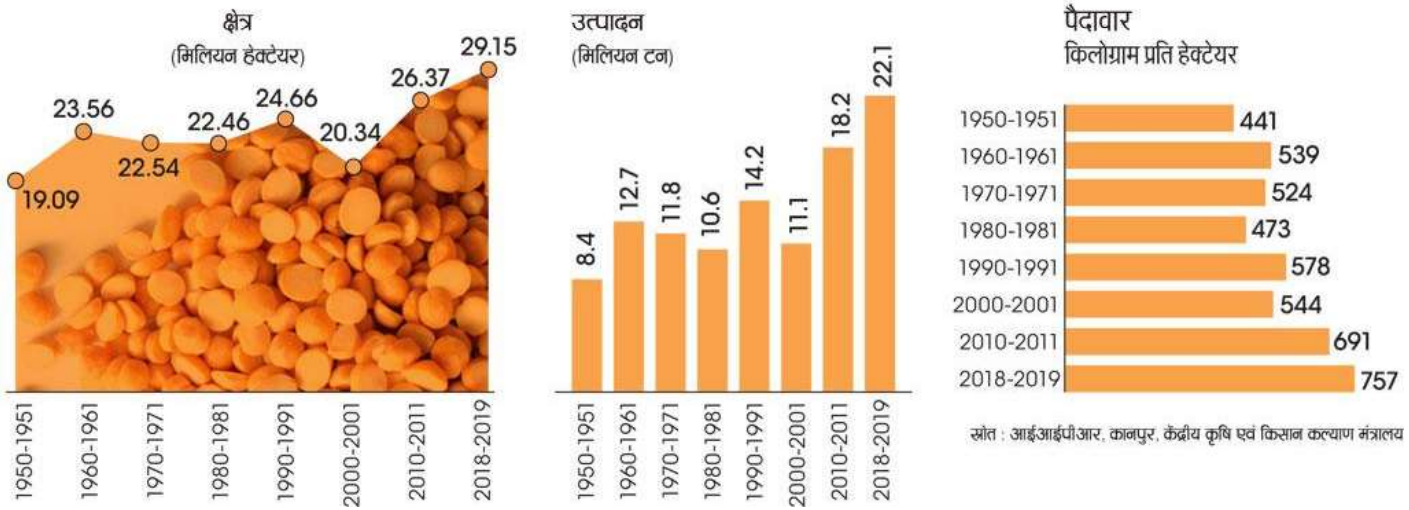

स्रोत : आईआईपीआर, कानपुर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

चना है दालों में सर्वाधिक हिस्सेदार – स्रोत- केंद्रीय कृषि मंत्रालय, तीसरा अग्रिम

अनुमान, मई, 2021, सभी आंकड़े मिलियन टन में, (एक मिलियन टन यानी 10 लाख)

फसल	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21 *	लक्ष्य 2020-21
चना (रबी)	8.22	7.7	8.83	9.53	7.33	7.06	9.38	11.38	9.94	11.08	12.61	11
अरहर (खरीफ)	2.86	2.65	3.02	3.17	2.81	2.56	4.87	4.29	3.32	3.89	4.14	4.82
उड़द (खरीफ - रबी)	1.76	1.77	1.97	1.7	1.96	1.95	2.83	3.49	3.06	2.08	2.38	3.6
मूग (खरीफ - रबी)	1.8	1.63	1.19	1.61	1.5	1.59	2.17	2.02	2.46	2.51	2.64	2.48
मसूर (रबी)	0.94	1.06	1.13	1.02	1.04	0.98	1.22	1.62	1.23	1.1	1.26	
अन्य दलहनें	2.66	2.27	2.2	2.23	2.52	2.46	2.66	2.61	2.08	2.36	2.54	3.7
कुल दलहनें	18.24	17.08	18.34	19.26	17.16	16.6	23.13	25.41	22.09	23.02	25.57	25.58

खरीफ से शुरू होने वाला संकट

उत्पादक : अब गांव में दाल कहां...

विष्णु मंजुलकर, मंगरुलपुर गांव, वाशिम जिला, महाराष्ट्र विदर्भ क्षेत्र

"करीब छह से सात महीने में तैयार होने वाली तुअर की पैदावार अब एक एकड़ में औसत पांच कुंतल से घटकर प्रति एकड़ 2.5 या 3 कुंतल पहुंच गई है। पानी की व्यवस्था भी हमारे गांव में हो गई, इसलिए अब हम किसान तुअर की जगह सोयाबीन की खेती पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 110 दिन में तैयार होने वाली सोयाबीन की उन्नत किस्म हमें एक एकड़ में औसत 7-8 कुंतल प्रति एकड़ की उपज देती है। दालों से उलट इसका बाजार भाव भी हम किसानों के लिए बेहतर है। अब तो खरीफ सीजन में पूरे गांव में दलहन की जगह धीरे-धीरे सोयाबीन ले रही है"

उपभोक्ता: साल में औसत 3 किलो दाल

-बृक्षराज पासवान, पटना गांव, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश

- जब कभी मेहमान आते हैं तो दाल बनती है या फिर कोई पर्व-त्योहार पड़ जाए तब दाल पकती है। ऐसी स्थिति के लिए घर में दाल रखना पड़ता है। सात लोगों का परिवार है। कभी-कभी बच्चे जिद करते हैं। कभी हमारा खुद भी खाने का मन होता है। हर वर्ष सिर्फ 15 किलो अरहर दाल (परिवार में एक सदस्य के लिए साल में सिर्फ 3 किलो दाल) ही खरीद पाता हूं। दालें इतनी महंगी हैं कि इससे ज्यादा खरीदने की हिम्मत नहीं है। बीते पांच साल से दाल की खुदरा कीमत 100 से 125 रुपए के बीच ही रही है। यदि अरहर में छेदा रोग की समस्या न होती तो अपने 1.75 बीघे (आधा एकड़ से कम) खेत में थोड़ी बहुत दाल उगाना बंद नहीं करता”

उत्पादन और उपभोग का गणित

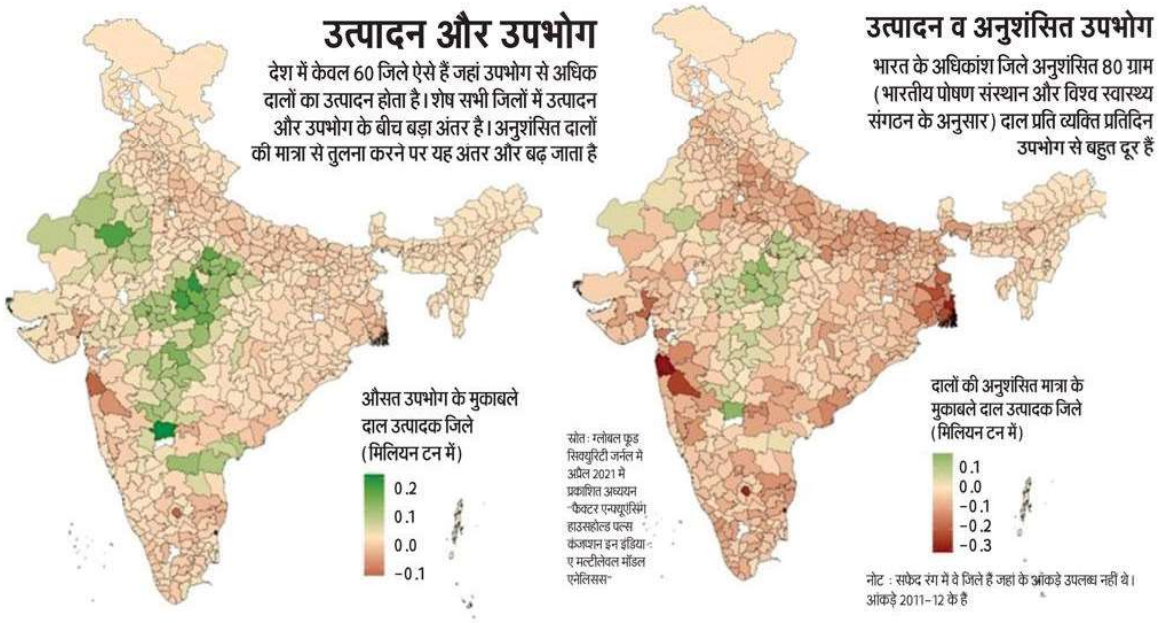

रोजाना 80 ग्राम के बजाए 55 ग्राम उपलब्ध

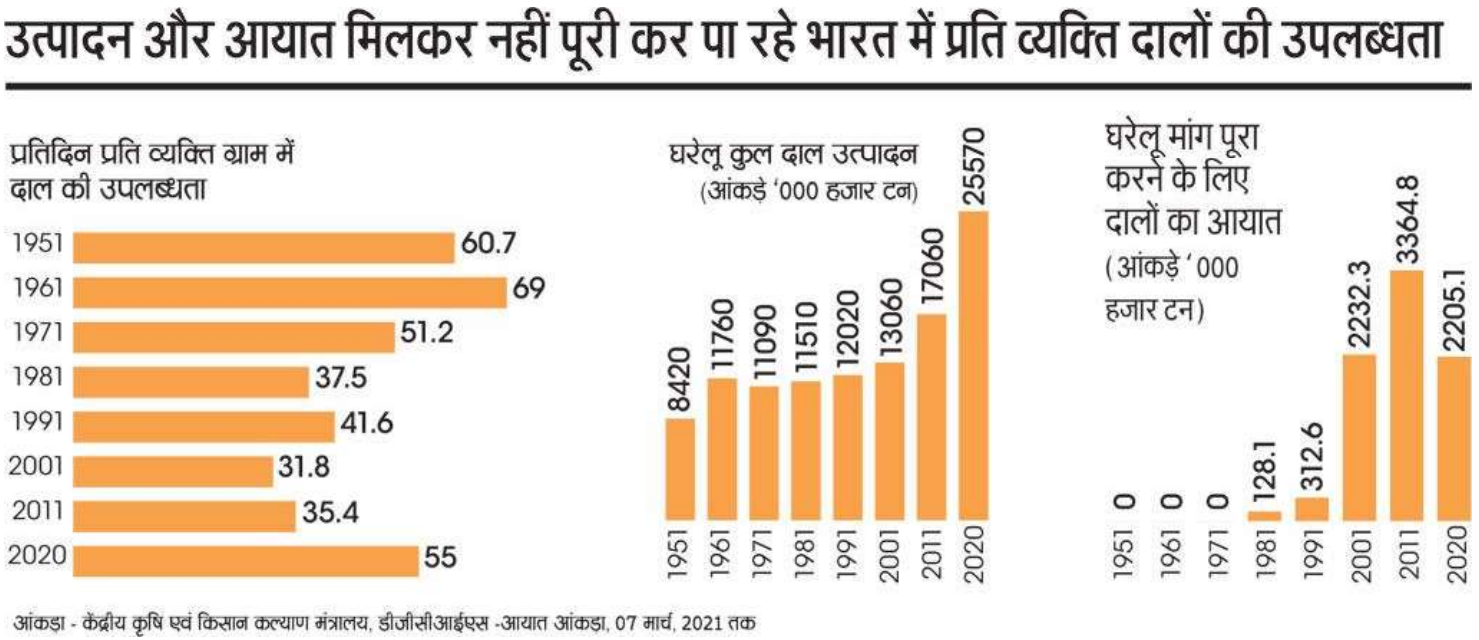

आखिर क्यों उत्पादक और उपभोक्ता दोनों परेशान हैं -

प्रमाणित बीज के अप्रमाणित आंकड़े

Table 26. Requirement of seed under different categories (2018-19 to 2021-22)

(Quantity in Qtl.)

Crop	Normal Area	Certified seed				Foundation seed				Breeder seed			
		2018-19 (36%)	2019-20 (38%)	2020-21 (40%)	2021-22 (42%)	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
Arhar	39.25	282.6	298.3	314.0	329.7	7.1	7.5	7.9	8.2	5.7	6.0	6.3	6.6
Urdbean	24.80	178.6	188.5	198.4	208.3	6.0	6.3	6.6	6.9	8.9	9.4	9.9	10.4
Mungbean	23.60	169.9	179.4	188.8	198.3	5.7	6.0	6.3	6.6	8.5	9.0	9.4	9.9
Other Kharif	18.14	130.6	137.9	145.1	152.4	4.4	4.6	4.8	5.1	6.5	6.9	7.3	7.6
Total Kharif	**105.79**	**761.7**	**804.1**	**846.3**	**888.7**	**23.2**	**24.4**	**25.6**	**26.8**	**29.6**	**31.3**	**32.9**	**34.5**
Gram	86.80	875.8	924.5	973.1	1021.8	58.4	61.6	64.9	68.1	87.6	92.5	97.3	102.2
Lentil	14.14	127.3	134.3	141.4	148.5	4.2	4.5	4.7	5.0	6.4	6.7	7.1	7.4
Fieldpea	9.93	357.5	377.3	397.2	417.1	23.8	25.2	26.5	27.8	35.8	37.7	39.7	41.7
Urdbean	7.85	56.5	59.7	62.8	65.9	1.9	2.0	2.1	2.2	2.8	3.0	3.1	3.3
Mungbean	9.26	66.7	70.4	74.1	77.8	2.2	2.4	2.5	2.6	3.3	3.5	3.7	3.9
Other Rabi	11.11	160.0	168.9	177.8	186.7	8.0	8.4	8.9	9.3	8.0	8.4	8.9	9.3
Total Rabi	**139.09**	**1643.8**	**1735.1**	**1826.4**	**1917.8**	**98.5**	**104.1**	**109.6**	**115**	**143.9**	**151.8**	**159.8**	**167.8**
Total Pulses	**244.88**	**2405.5**	**2539.2**	**2672.7**	**2806.5**	**121.7**	**128.5**	**135.2**	**141.8**	**173.5**	**183.1**	**192.7**	**202.3**

Source: Annual Report-2016-17, DPD, Bhopal

DPD, Bhopal

कीमतों से टूटता किसान

पिछले पांच वर्षों के लिए प्रमुख दलहनों का वार्षिक औसत थोक मूल्यों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

दलहन	वार्षिक औसत थोक मूल्य (रू./क्विंटल)					
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जनवरी, 2020 तक)
अरहर	5082	8226	5824	4275	4727	5631
चना	3641	5194	7504	5123	4630	4658
मसूर	5794	6863	5816	4362	4411	4997
मूंग	7226	7690	5755	5282	5742	6549
उड़द	5938	9852	8107	5328	5104	6067

स्रोत: अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, डीएसीएण्डएफडब्ल्यू

दालें	2021-22 एमएसपी रेट	
चना	5230	
अरहर	6300	
उड़द	6300	
मूंग	7275	
मसूर	5500	

दलहन खरीद – एमएसपी से वंचित

- भारतीय खाद्य निगम जैसे गेहूं और चावल खरीद के लिए अधिकृत है वैसे ही दालों की खरीद के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (**नेफेड**) है।
- नेफेड दालों की खरीद एमएसपी मूल्य पर करता है और उसकी बिक्री खुले बाजार में करता है।
- भारतीय खाद्य निगम की तरह नेफेड की खरीद सीमा मुक्त नहीं है, उत्पादन का 25 फीसदी तक खरीदारी कर सकता है।
- नेफेड ने 2014-15 से लेकर 2019-2020 तक 38 लाख किसानों से 76.6 लाख टन दालों की खरीद की हैं।
- किसानों को लिए एमएसपी पर बिक्री आसान नहीं है, पंजीकरण से लेकर बिक्री तक बहुत कम समय मिलता है, यह प्रक्रिया किसानों को दलहन से दूर ले जा रही है...

2015 और 2021 का खुदरा संकट

2015 में दाल संकट पैदा हुआ, तो अरहर, मूंग और उड़द की खुदरा कीमतें 196 रुपए से लेकर 200 रुपए के मूल्य तक पहुंची थीं।

2021 के शुरुआत में एक बार फिर दलहन की कीमतें 130 रुपए के पार पहुंच गईं...

दालु कीमतों का संकट हल करने के लिए सरकार स्टॉक लिमिट, मात्रात्मक प्रतिबंध को हटाना, आयात सुनिश्चित करना जैसे तात्कालिक उपाय अपनाती है, जो उपभोक्ता केंद्रित कदम होते हैं

- किसान मूल्य अस्थिरता, मौसम की अस्थिरता और आयात की मार नहीं झेल पा रहा।
- रबी सीजन की तुलना में खरीफ दालों (अरहर, मूंग और उड़द) के किसान नीलगाय, बीटी कॉटन के कारण आने वाले कीड़ों और लंबी अवधि में कम पैदावार से परेशान हैं....
- उनके पास विकल्प में क्या है, और वह क्या कर रहे हैं.. डीटीई की विस्तृत पड़ताल ने इस कड़ी को भी खोजा है...

इंटरक्रॉपिंग का बिगड़ता अनुपात

सोयाबीन ने पछाड़ा

दालों की उपेक्षा और सोयाबीन को प्रोत्साहन से दालें काफी पीछे छूट गईं

खरीफ दलहन – अरहर, उड़द, मूंग सोयाबीन

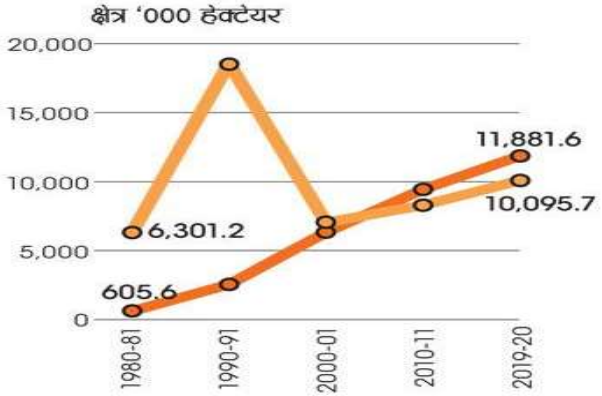

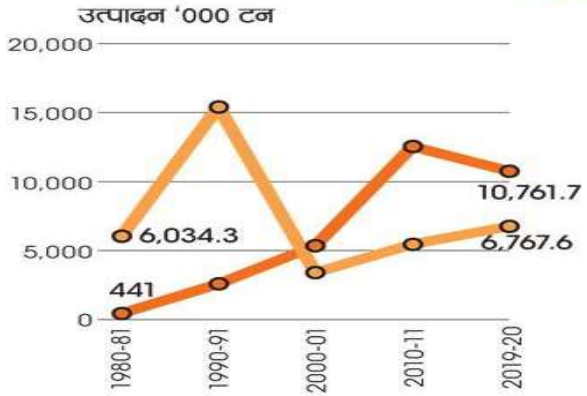

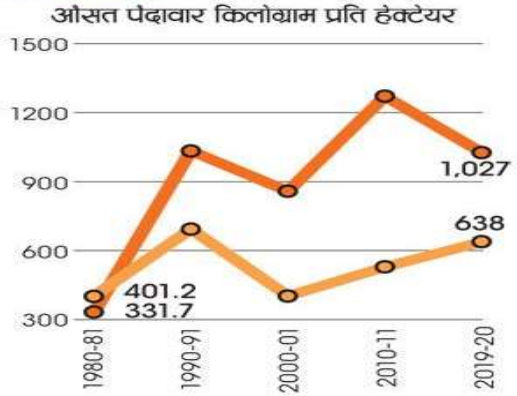

स्रोत : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, शोध व विश्लेषण विवेक मिश्र : प्रमुख दाल उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात में अरहर, मूंग, उडद और सोयाबीन के दशकीय क्षेत्र, उत्पादन और उपज में वृद्धि की तुलना

अगले पांच साल...

आत्मनिर्भर अफ्रीका

आयात निर्भर भारत

हमारी सीख

- खेती-किसानी का जितना अध्ययन करेंगे उतना ही ज्यादा इसकी व्यापकता के उलझे हुए तारों को सुलझाना आसान होगा।
- ज्यादातर किसान आपको अकादमिक बात नहीं बताएंगे, लेकिन वे जो बताएंगे वह उनका भोगा और जिया हुआ सच होता है, ऐसे में उनकी बातों को ध्यान से सुनें और अपने बही-खाते में दर्ज करें।
- एक ही मुद्दे और समस्या पर किसानों की विभिन्न श्रेणियों जैसे : बटाईदार, लघु और सीमांत किसानों के साथ कृषि श्रमिकों से उनकी राय जरूर लें और दर्ज करें।
- यह गांठ बांध लें, मौलिक सूचना और एक अनुमानित आंकड़ा किसान से ही मिलेगी। यह आपकी खबर का पथ प्रदर्शक होगा।
- किसानों के निजी अनुभवों को व्यापक फलक पर ले जाएं। उनकी बातों को सिरा अर्जित ज्ञान, संबंधित व उच्च अधिकारियों से हासिल सूचनाओं, नीतियों के फेरबदल और विस्तृत आंकड़ों में ढूंढने की कोशिश करें।
- आंकड़ों को जरूर उलटे-पलटें। यकीन करें उनमें आपके काम की चीज़ छुपी हुई है। चिंतन-मनन के दौरान देर-सबेर आपको काम की टिप मिल जाएगी।

धैर्यपूर्वक सुनने के लिए धन्यवाद

आपका

विवेक मिश्रा
डाउन टू अर्थ
हमें ईमेल करें : vivek.mishra@cseindia.org
संपर्क - 09971559211